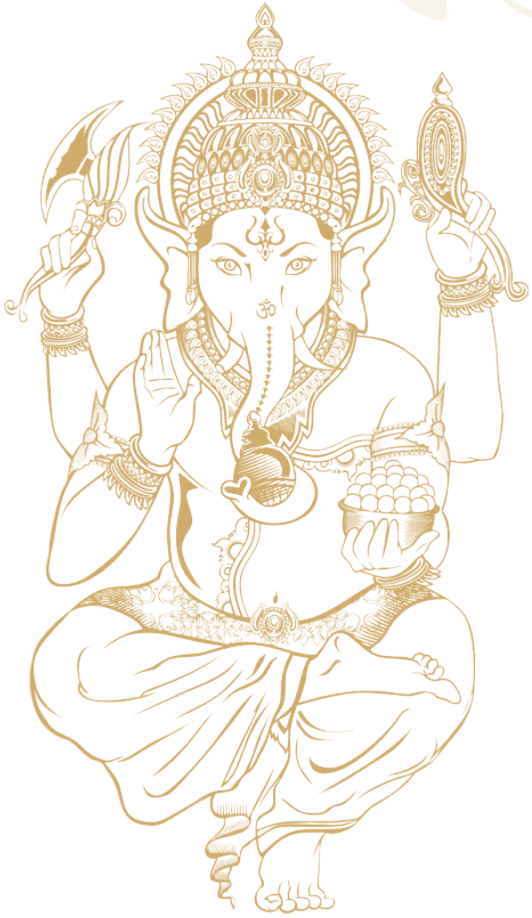

Vikas

Ashtha

Model: Love-Horoscope

Order No: 121815801

Model: Love-Horoscope

Order No: 121815801 Date: 04/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/07/1997	जन्म तिथि	17/10/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:00:00	जन्म समय	12:35:00 घंटे
घटी 08:37:37	जन्म समय(घटी)	15:27:38 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Ambala
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:57	सूर्योदय	06:26:02
19:21:01	सूर्यास्त	17:49:58
23:49:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:14
सिंह	लग्न	धनु
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
श्रवण	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	4
प्रीति	योग	ब्रह्म
तैतिल	करण	गर
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
वानर	योनि	मूषक
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 7मा 5दि	
गुरु	
25/02/2026	
25/02/2042	
गुरु	14/04/2028
शनि	26/10/2030
बुध	31/01/2033
केतु	07/01/2034
शुक्र	07/09/2036
सूर्य	26/06/2037
चन्द्र	26/10/2038
मंगल	02/10/2039
राहु	25/02/2042

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
17:42:45	सिंह		लग्न		धनु	19:27:26
04:35:48	कर्क		सूर्य		कन्या	29:52:12
18:32:05	मक		चंद्र		सिंह	25:41:30
22:01:14	कन्या		मंगल		सिंह	12:06:38
28:02:37	कर्क		बुध		तुला	14:11:06
25:35:44	मक	व	गुरु	व	कुंभ	25:33:29
03:16:33	सिंह		शुक्र		कन्या	26:33:35
26:25:24	मीन		शनि	व	मेष	06:50:21
27:05:21	सिंह	व	राहु	व	सिंह	06:30:09
27:05:21	कुंभ	व	केतु	व	कुंभ	06:30:09
13:13:07	मक	व	हर्ष	व	मक	14:58:24
04:45:00	मक	व	नेप		मक	05:33:21
09:09:04	वृश्चिक	व	प्लूटो		वृश्चिक	12:28:48

विंशोत्तरी	
शुक्र 1वर्ष 5मा 16दि	
राहु	
04/04/2023	
03/04/2041	
राहु	15/12/2025
गुरु	10/05/2028
शनि	17/03/2031
बुध	03/10/2033
केतु	22/10/2034
शुक्र	21/10/2037
सूर्य	15/09/2038
चन्द्र	16/03/2040
मंगल	03/04/2041

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:49:21 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:14

लग्न-चलित

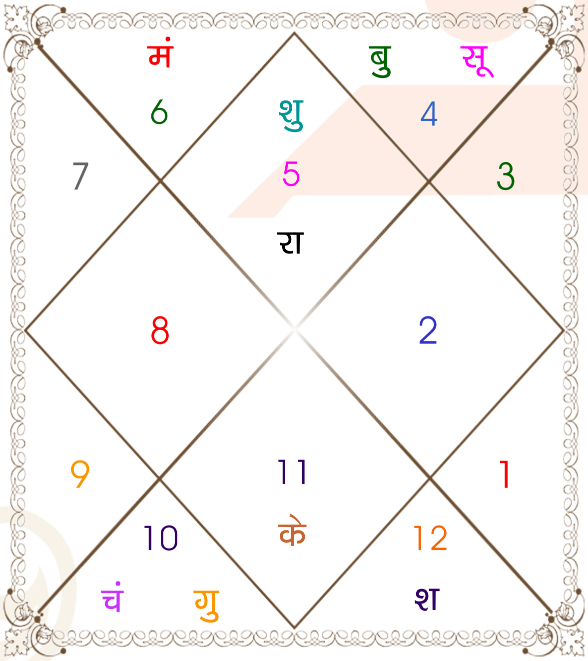

लग्न-चलित

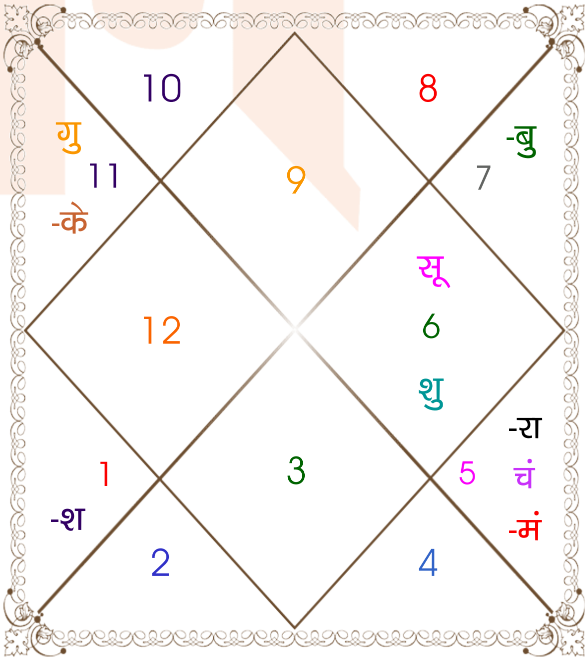

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

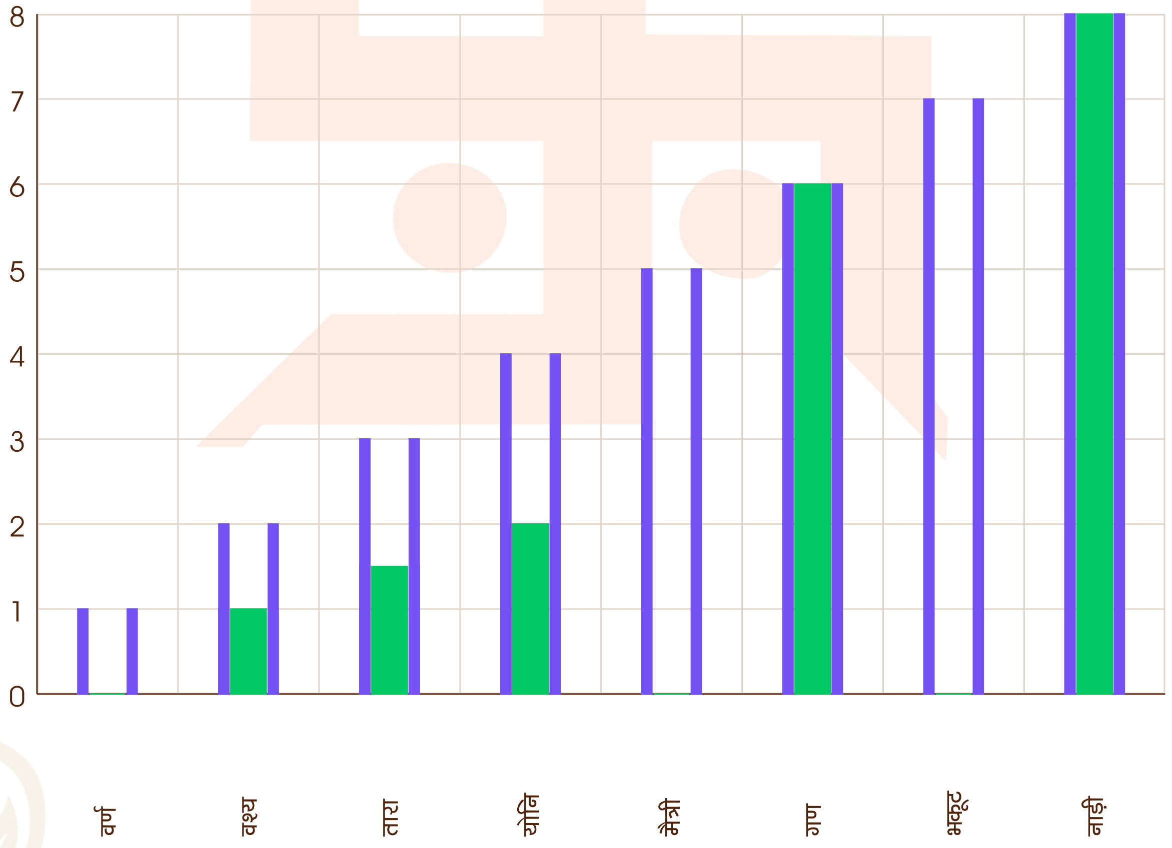

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

टपों का वर्ग मार्जार है तथा ाीर्जी का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपों और ाीर्जी का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टपों मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ाीर्जी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

टपों तथा ाीर्जी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

टपों का वर्ण वैश्य है तथा ीजीं का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि ीजीं का वर्ण टपों के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप ीजीं अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। ीजीं को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

टपों का वश्य जलचर है एवं ीजीं का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर टपों एवं वनचर ीजीं का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

टपों की तारा विपत तथा ीजीं की तारा मित्र है। टपों की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। टपों एवं टपों के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि ीजीं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर ीजीं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

टपों की योनि वानर है तथा ीजीं की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में टपों एवं ोर्जी दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण टपों एवं ोर्जी के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी टपों दवं ोर्जी को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

टपों का गण देव तथा ोर्जी का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु ोर्जी अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

टपों से ोर्जी की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा ोर्जी से टपों की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। टपों एवं ोर्जी दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। टपों शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा

अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर ीर्जी बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

टपों की नाड़ी अन्त्य है तथा ीर्जी की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

टपों की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा ोिजीं की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। भूमि तथा अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण टपों और ोिजीं में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन समस्याओं से पूर्ण रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

टपों की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा ोिजीं की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से टपों और ोिजीं के परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा मतभेद एवं विरोध के भाव रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टिकोण रहेगा एवं अपने को एक दूसरे से श्रेष्ठ समझेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में आनन्दानुभुति की न्यूनता रहेगी।

टपों और ोिजीं की राशियां परस्पर अष्ठम तथा षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल मकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा आपस में विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे एवं आपस में दुर्भावना भी दृष्टिगोचर होगी। अतः ऐसी प्रवृतियों की सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए उपेक्षा करनी चाहिए।

टपों का वश्य जलचर तथा ोिजीं का वश्य वनचर है। अतः दोनों वश्यों में नैसर्गिक असमानता के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अन्तर रहेगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे। अतः ऐसे मिलान में विवाह की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

टपों का वर्ण वैश्य तथा ोिजीं का वर्ण क्षत्रिय है। अतः टपों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे लेकिन ोिजीं पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

टपों और ोिजीं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

टपों की नाड़ी अन्त्य तथा ोिर्जी की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से टपों और ोिर्जी का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त टपों और ोिर्जी के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ोिर्जी के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ोिर्जी को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ोिर्जी को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से टपों और ोिर्जी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार टपों और ोिर्जी का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ोिर्जी के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ोिर्जी धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ोिर्जी के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ोिर्जी का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ोिर्जी से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से

सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

टपों की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर टपों सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन टपों ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का टपों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

Vikas

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास

करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।

Ashtha

आपकी जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आपका मुख्य उद्देश्य अपार संपत्ति प्राप्त करना एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन निर्वाह करना है, जिसकी पूर्ति सहज भाव से होने की पूर्ण संभावना है। आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न, कन्या नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा संकेत परिलक्षित हो रहा है कि आपकी महत्वकांक्षा सहजता पूर्वक पूर्ण नहीं होगी। परंतु आप अथक परिश्रम करके भी अपने उद्देश्य से संबंधित कार्य कलाप करती रहेंगी। इसके प्रभाव से निश्चित रूपेण आपको आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त होगी क्योंकि आपमें यह प्रतिभा ईश्वरीय प्रदत्त वरदान स्वरुप है।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

आप व्यक्तिगत रूप से स्पष्टवादी प्राणी हैं। आप ”विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है।“ इस पर विश्वास नहीं करती आप वास्तव में इसको कार्यरूप में देखना चाहती हैं। आप उत्कृष्ट लाभांश प्राप्त करने अथवा प्रदान करने में विश्वास रखती हैं। आप धनी, संपत्तिवान, दानी प्रवृत्ति की तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करने वाली होंगी। आप एक अच्छी एवं श्रदालु स्वभाव की प्राणी हैं। आप ऊंची लहरों के समान बार बार धर्म एवं दर्शन के संबंध में सीख प्राप्त करेंगी।

आप निःसंदेह उच्च महत्वकांक्षी है तथा अपने लक्ष्य से संबंधित कार्यकलाप द्वारा अपनी परियोजना को भली प्रकार कार्यान्वयन करने की रूप रेखा पर विचार कर उत्साह पूर्वक कार्य में तल्लीन हो जाएंगी। यदि एक बार आप किसी कार्य को प्रारंभ कर देंगी। पुनः किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में हतोत्साहित नहीं होंगी। आप प्रतिकूल परिस्थिति को समकोणात्मक चुनौती समझकर सफलता की ओर बढ़ती रहती हैं। आप में ऐसी प्रतिभा विद्यमान है कि आप किसी भी परिस्थिति का मूल्यांकन कर उचित दृष्टिकोण से तथा शीघ्रतापूर्वक किसी भी प्रकार के सुअवसर को हस्तगत कर अपने रास्ते पर चली आती हैं।

आप और आपको पति भाग्यशाली हैं तथा सभी प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपयुक्त हैं। आपके जीवन का अनुकूल समय आपकी आयु का 27 वां वर्ष है जब सभी कार्य अथवा आपकी आकांक्षा आपके अनुकूल हो जाएगी। परंतु यदि आप अपने भाग्य को बहुत अधिक प्रेरित करना चाहकर, कहीं सट्टेबाजी या जूआ आदि के खेल में फंस गई अथवा आप जूआ सट्टा आदि खेल में योगदान करने लगी तो यह आपकी धन लोलुपता का परिचायक होगा। लेकिन इससे आपके पास पर्याप्त धन नहीं आ सकेगा तथा आपको संतुष्टि भी नहीं मिलेगी।

आप जैसी प्राणी बाहरी खेलकूद में अभिरूचि रखती है एवं यात्राएं खूब करती हैं। आप भी घर से बाहर अधिक समय बिताएंगी। अतएव आप अपने उत्कर्ष का विस्तार नहीं कर सकेंगी तथा आपके पारिवारिक जीवन में न्यूनता आ जाएगी तथा आपका जीवन एक तमाशा बन कर रह जाएगा। आपके पति आपके घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगे और आप कोई अन्य विकल्प की तलाश कर कोई सामंजस्य पूर्ण कर्त्तव्य का निर्वाहन करना चाहेंगी। आप का सौभाग्य है कि आप एक सुन्दर जीवन संगी तथा समझदार संतान से युक्त रहेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक किसी भी कार्य-कलाप हेतु अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम रंग, हरा, सूआपंखी, नीला एवं नारंगी रंग है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग अव्यवहरणीय है।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

Vikas

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Ashtha

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझनें की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगी एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगी। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अडिग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़ी हठी होंगी। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल महिला होंगी। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेंगी।

Vikas

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

Ashtha

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com